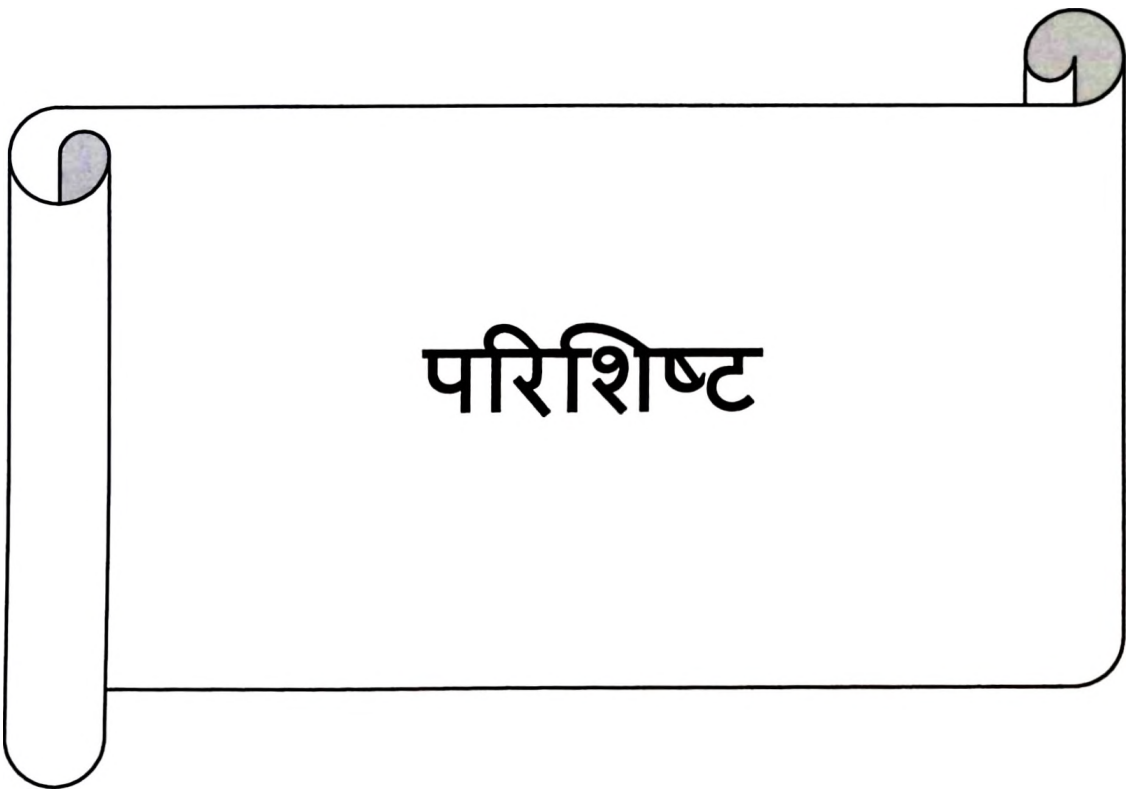




परिशिष्ट

परिशिष्ट

समावेशी शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति मापनी

नाम

आयु

लिंग

विध्यालय का नाम

प्राप्त किया गया प्रशिक्षण (समावेशित शिक्षा में) की अवधि

पढ़ाने का अनुभव (वर्ष में)

निर्देश:- 01. सभी दिये गये कथनों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।

02. सभी कथनों का उत्तर ईमानदारी से दें।

03. सभी कथनों को हल करने का प्रयास करें।

-- दिये गये पांच विकल्पों में से किसी एक बॉक्स में (✓) का चिन्ह लगाना है।

-- आपके उत्तर को गोपनीय रखा जायेगा तथा उपयोग अनुसंधान हेतु किया जायेगा।

-- *विशेष आवश्यकता वाले बच्चे -CWSN

अनसंधानकर्ता

सुश्री सोनम खातरकर

एम.एड. (छात्रा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्र.	कथन
------	-----

पूर्णतया
सहमत

सहमत

अनिश्चित

असहमत

पूर्णतया
असहमत



1	समावेशी शिक्षा का मतलब सबको समाविष्ट करने से है।
2	सभी विशेष शैक्षिक आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को विद्यालय में प्रवेश को रोकने की कोई प्रक्रिया नहीं होनी चाहिये।
3	समावेशन की नीति को हर स्कूल और सारी शिक्षा व्यवस्था में व्यापक रूप से लागू किए जाने की आवश्यकता नहीं है।
4	विद्यार्थियों के जीवन के हर क्षेत्र में वह चाहे स्कूल में हो या बाहर सभी बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित किये जाने की आवश्यकता नहीं है।
5	स्कूलों को ऐसे केन्द्र बनाए जाने की आवश्यकता है जहाँ विद्यार्थियों को जीवन की तैयारी कराई जाए।
6	शिक्षकों को CWSN विद्यार्थियों का मूल्यांकन उनकी योग्यता के अनुसार करना चाहिये।
7	शिक्षकों को सभी विद्यार्थियों को एक समान शिक्षण विधि से नहीं पढ़ाना चाहिये।
8	शिक्षकों को सभी विद्यार्थियों के लिये एक समान परीक्षा आयोजित की जानी चाहिए।
9	CWSN विद्यार्थियों को भी अन्य विद्यार्थियों की तरह अनुपस्थित होने पर सजा का प्रावधान होना चाहिए।
10	शिक्षकों को CWSN विद्यार्थियों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिये सुविधा देना चाहिए।

	I
11	CWSN विद्यार्थीयो को सांस्कृतिक कार्यक्रमो मे भाग नही लेना चाहिये ।
12	शिक्षको को अन्य विद्यार्थीयो की तरह CWSN विद्यार्थीयो को भी कक्षा कार्य व गृह कार्य देना चाहिए ।
13	कक्षा मे सभी विद्यार्थीयो को समूह मे कार्य करना चाहिए ।
14	पाठ्यक्रम सभी विद्यार्थीयो की योग्यता के अनुसार बनाया जाना चाहिए ।
15	शिक्षको को सभी विद्यार्थीयो को समान द्रष्टि से देखना चाहिए ।
16	सभी विद्यार्थीयो के लिये अनुशासन एक समान होना चाहिए ।
17	शिक्षको को सभी विद्यार्थीयो की आवश्यकतानुसार दिशा निर्देश देना चाहिए ।
18	CWSN विद्यार्थीयो को अन्य विद्यार्थीयो के साथ भ्रमण के लिये नही ले जाना चाहिए ।
19	शिक्षको को CWSN विद्यार्थीयो को सुझाव देने चाहिए ।
20	समावेशित शिक्षा विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थीयो के सामाजिक कौशलो को विकसित करने मे सहायक होती है।
21	समावेशित शिक्षा विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थीयो के संवेगात्मक कौशलो को विकसित करने मे सहायक होती है।
22	समावेशित शिक्षा विशेष

11					
12					
13					
14					
15					
16					
17					
18					
19					
20					
21					
22					

	आवश्यकता वाले विद्यार्थीयों के शैक्षणिक कौशलों को विकसित करने में सहायक होती है।					
23	सामान्य अध्यापक ही समावेशित शिक्षा को लागू करने को हतोत्साहित करते हैं।	23				
24	अभिभावकों के सहयोग के बिना समावेशित शिक्षा को लागू कर पाना सम्भव नहीं है।	24				
25	सामान्य अध्यापकों में विशेष शैक्षिक आवश्यकता वाले विद्यार्थीयों को पढ़ाने तथा उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं को समझने का उत्साह नहीं होता।	25				
26	सामान्य अध्यापकों का समावेशित शिक्षा के अन्तर्गत होने वाली भागीदारी उनकी शिक्षण की योग्यताओं को और प्रभावशाली बना सकती है।	26				
27	समावेशित शिक्षा तभी सफल हो पायेगी जब की विद्यालय तथा विद्यालय के समस्त कर्मचारी इसे अपनायें।	27				
28	सामान्य अध्यापक समावेशित शिक्षा लागू कर पाने में समक्ष हो पायेंगे।	28				
29	वर्तमान में सामान्य अध्यापकों का कार्यभार थोड़ा कम कर दिया जाय तो वे इस नये कार्यभार को अच्छी तरह लागू कर पायेंगे।	30				
30	विशेष शैक्षिक आवश्यकता वाले विद्यार्थीयों के समावेशन में अधिक कठिनाई होगी।	30				
31	समावेशित शिक्षा को सफल बनाने में विद्यालय अधिकारियों की ओर से उचित प्रोत्साहन मिलते रहना चाहिए।	31				
32	समावेशित शिक्षा के लागू होने से ऐसा लगता है कि अध्यापकों पर दबाव अधिक बढ़ रहा है।	32				

33	समावेशित शिक्षा के माध्यम से ही विशेष शैक्षिक आवश्यकता वाले विद्यार्थी समाज का एक अभिन्न अंग बन जायेंगे ।	33					
34	समावेशित शिक्षा के लागू होने से ऐसा लगता है कि सामान्य विद्यार्थी के अभिभावकों द्वारा एक समस्या उत्पन्न हो जायेगी ।	34					
35	समावेशित शिक्षा लागू होती है तो विशेष शैक्षिक आवश्यकता वाले विद्यार्थी की उपस्थिति के कारण कक्षा शिक्षण की यह रफ्तार बहुत कम हो जायेगी ।	35					
36	अगर आपको समावेशित शिक्षा के अन्तर्गत पढ़ाने को कहा जाये तो आप उसी तरह पढ़ायेगे जैसे कि सभी सामान्य विद्यार्थी को पढ़ा रहे थे ।	36					
37	सामान्य विद्यार्थी को अगर थोड़ा सा निर्देशित किया जाये तो वे बहुत ही अच्छी तरह से विशेष शैक्षिक आवश्यकता वाले विद्यार्थी को स्वीकार कर लेंगे ।	37					
38	सभी विद्यार्थी के लिये पाठ्यक्रम एक समान होना चाहिए ।	38					
39	शिक्षकों द्वारा सभी विद्यार्थी को समान दृष्टि से नहीं देखना चाहिए ।	39					
40	सामान्य अध्यापक समावेशित शिक्षा लागू कर पाने में समक्ष नहीं हो पायेंगे ।	40					